



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 471]

नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 29, 2003/आश्विन 7, 1925.

No. 471]

NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 29, 2003/ASVINA 7, 1925

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 2003

सा.का.नि. 771(अ).—खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 का और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का प्रारूप, खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 23 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार भारत सरकार के परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की अधिसूचना सं. सा०का०नि० 322(अ), तारीख 9 अप्रैल, 2003 के अधीन भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i), तारीख 9 अप्रैल, 2003 में पृष्ठ 1 से 4 पर प्रकाशित किया गया था जिसमें उन सभी व्यक्तियों से जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी, उस तारीख से जिसको उक्त अधिसूचना से युक्त राजपत्र की प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, साठ दिन की अवधि की समाप्ति से पूर्व आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे;

और उक्त राजपत्र की प्रतियां जनता को तारीख 10 अप्रैल, 2003 को उपलब्ध करा दी गई थीं;

और उक्त प्रारूप नियमों के संबंध में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर जनता से प्राप्त आक्षेपों या सुझावों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार कर लिया गया है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 23 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय खाद्य मानक समिति से परामर्श करने के पश्चात् खाद्य अपमिश्रण नियम, 1955 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम खाद्य अपमिश्रण निवारण तृतीय (संशोधन) नियम, 2003 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 (जिसे इसमें इसके पश्चात् मूल नियम कहा गया है) में भाग 17 खाद्य किरणन और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“भाग 18- प्रतिजैविकी और अन्य भेषज गुणविज्ञानीय सक्रिय पदार्थ

79. प्रतिजैविकी और अन्य भेषज गुणविज्ञानीय पदार्थ के अवशिष्ट:-

- (1) समुद्री खाद्य जिसमें श्रिम्प, झींगा या मछली और मछली उत्पादों की कोई अन्य किस्में सम्मिलित हैं, पर स्तम्भ (2) में उल्लिखित प्रतिजैविकी की मात्रा नीचे दी गई सारणी के स्तंभ (3) में विहित सख्त सीमा से अधिक नहीं होगी:-

सारणी

क्र.सं.	प्रतिजैविकी का नाम	सह्यता सीमा मिग्रा/किग्रा (पी.पी.एम.)
1	2	3
1.	टेट्रासाइक्लीन	0.1
2.	आक्सीटेट्रासाइक्लीन	0.1
3.	ट्रिमेथोप्रिम	0.05
4.	आक्सोलिनिक अम्ल	0.3

(2) किसी प्रसंस्करण इकाई में समुद्री खाद्य जिसमें श्रिम्प, झींगा या मछली और मछली उत्पादों की कोई अन्य किस्म सम्मिलित है, में निम्नलिखित प्रतिजैविकी और अन्य भेषज गुणविज्ञानीय सहाय पदार्थों में से किसी का उपयोग प्रतिषिद्ध किया जाएगा :-

(i) सभी नाइट्रोफ्यूरोनस जिसमें निम्नलिखित सम्मिलित हैं :-

- (क) फ्यूरेल्यडोन
- (ख) फ्यूरोजोलिडोन
- (ग) फ्यूरिलफरमाइड
- (घ) नाईफ्यूरेल
- (ङ.) नाईफ्युराक्सीम
- (च) नाइफ्रप्रजाइन
- (छ) नाइट्रोफ्यूरेटोइन
- (ज) नाइट्रोफ्यूरोजोन
- (ii) क्लोरामफेनिकोल
- (iii) नियोमाइसिन
- (iv) नालिडिकसिक अम्ल
- (v) सल्फामेथोक्साजोल
- (vi) आरिष्टोलोशिया एस. पी. पी. और उसकी विनिर्मितियां
- (vii) क्लोराफोरम
- (viii) क्लोरोप्रोमेजाइन
- (ix) कैलचिसिन
- (x) डेपसोन
- (xi) डायमीट्रीडेजोल
- (xii) मेट्रोनिडाजोल
- (xiii) रोनोडेजोल
- (xiv) आइप्रोनिडाजोल
- (xv) अन्य नाइट्रोमिडाजोल
- (xvi) क्लेनब्यूटरोल
- (xvii) डायथिलस्टे- बेसट्रोल (डी. ई. एस.)
- (xviii) सल्फानोमाइड औषधि
(अनुमोदित सल्फाडिमिथोक्सीन, सल्फेब्रोमोमेथाजीन और सल्फाइथोक्सीपेरिडायजीन को छोड़कर)
- (xix) फ्यूरोक्विनोलोनस
- (xx) ग्लोकोपेपटाइड''।

[सं. पी. 15014/16/ 2002-पी. एच. (फूड)]

दीपक गुप्ता, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण :- खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 भात के राजपत्र, भाग II, खंड 3 में का०नि०आ० 2106, तारीख 12-9-1955 द्वारा प्रकाशित किए गए थे तथा अंतिम बार सा०का नि० 656(अ) तारीख 13-8-2003 द्वारा संशोधित किए गए।

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE
(Department of Health)

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th September, 2003

G.S.R. 771(E).—Whereas a draft of certain rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, was published, as required by Sub-section (1) of Section 23 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954), at pages 1 to 4 in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated the 9th April, 2003 under the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health), Number G.S.R. 322(E) dated the 9th April, 2003 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of a period of sixty days from the date on which the copies of the Official Gazette containing the said notification, were made available to the public ;

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on the 10th April, 2003;

And whereas objections or suggestions received from the public within the specified period on the said draft rules have been considered by the Central Government ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 23 of the said Act, the Central Government, after consultation with the Central Committee for Food Standards, hereby makes the following rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, namely :—

1. (1) These rules may be called the Prevention of Food Adulteration (Third Amendment) Rules, 2003.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955 (hereinafter referred to as the principal rules), after PART XVII — IRRADIATION OF FOOD and entries relating thereto, the following shall be inserted, namely :—

“PART XVIII— ANTIBIOTIC AND OTHER PHARMACOLOGICALLY ACTIVE SUBSTANCES

79 — Residues of antibiotic and other Pharmacologically Active Substances

- (1) The amount of antibiotic mentioned in column (2), on the sea foods including shrimps, prawns or any other variety of fish and fishery products, shall not exceed the tolerance limit prescribed in column (3) of the table given below :—

TABLE

S.No.	Name of Antibiotics	Tolerance limit mg/kg (ppm)
(1)	(2)	(3)
1.	Tetracycline	0.1
2.	Oxytetracycline	0.1
3.	Trimethoprim	0.05
4.	Oxolinic acid	0.3

- (2) The use of any of the following antibiotics and other Pharmacologically Active Substances shall be prohibited in any unit processing sea foods including shrimps, prawns or any other variety of fish and fishery products :—

- (i) All Nitrofurans including
 - (a) Furaltadone
 - (b) Furazolidone
 - (c) Furfylfuramide
 - (d) Nifuratel
 - (e) Nifuroxime
 - (f) Nifurpazine

- (g) Nitrofurantoin
- (h) Nitrofurazone
- (ii) Chloramphenicol
- (iii) Neomycin
- (iv) Nalidixic acid
- (v) Sulphamethoxazole
- (vi) Aristolochia spp and preparations thereof
- (vii) Chloroform
- (viii) Chlorpromazine
- (ix) Colchicine
- (x) Dapsone
- (xi) Dimetridazole
- (xii) Metronidazole
- (xiii) Ronidazole
- (xiv) Iprnidazole
- (xv) Other nitromidazoles
- (xvi) Clenbuterol
- (xvii) Diethylstilbestrol (DES)
- (xviii) Sulfanoamide drugs (except approved Sulfadimethoxine, Sulfabromomethazine and Sulfathoxypyridazine)
- (xix) Fluoroquinolones
- (xx) Glycopeptides".

[No. P.15014/16/2002-PH(Food)]

DEEPAK GUPTA, Jt. Secy.

Note: The Prevention of Food Adulteration Rules 1955 were published in Part II, Section 3 of Gazette of India vide S.R.O. 2106, dated the 12th September, 1955 and were last amended vide G.S.R. No. 656(E) dated 13-8-2003.